(ख) इन फसलों के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए समेकित चावल विकास कार्यक्रम; विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम–गेहूं और दालें; राष्ट्रीय दलहन विकास कार्यक्रम; तिलहन उत्पादन कार्यक्रम आदि जैसी कई फसल उत्पादनोन्मुखी योजनाएं इन राज्यों में क्रियान्वित की जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत, किसानों को बीजों के उत्पादन एवं वितरण, अतिसूक्ष्म पोषकतत्वों के पौध संरक्षण उपकरणों का वितरण, बीज मिनिकिटों के वितरण, प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण का आयोजन आदि पर राजसहायता के रूप में प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं।

खाद्यान्नों का उत्पादन

1290. **श्री अजीत जोगी :**
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले चार दशकों के दौरान देश में खाद्यान्नों के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1950-51 की तुलना में वर्ष 1990-91 में कितनी मात्रा में खाद्यान्नों का उत्पादन हुआ;

(ग) क्या उक्त अवधि के दौरान किसानों की आय में कोई विशेष वृद्धि नहीं हुई है;

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ङ) वर्ष 1950-51 की तुलना में वर्ष 1990-91 की तुलना में किसानों की आय कितनी थी ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) जी, हां।

(ख) 1990-91 के दौरान देश में खाद्यान्न का उत्पादन 1950-51 के 50.8 मिलियन टन की तुलना में 176.4 मिलियन टन रहा।

(ग) इसी अवधि के दौरान कृषकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) कृषि में प्रति हैक्टेयर घटक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद 1980-81 के स्थित मूल्यों पर 1950-51 में 1,757 रु० से 1990-91 में बढ़कर 4,403 रु० हो गया है।

खाद्यान्नों और नकद फसलों के लिए प्रयुक्त क्षेत्र

1291. **श्री अजीत जोगी** : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले वर्ष और चालू वर्ष के दौरान देश में खाद्यान्नों और नकद फसलों की कुल कितने क्षेत्र में खेती की गई तथा इनका कितना-कितना उत्पादन हुआ था;

(ख) क्या यह सच है कि रबी के चालू मौसम के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में खाद्यान्नों की खेती कम क्षेत्र में की गई जबकि तिलहनों और अन्य नकदी फसलों की खेती अधिक क्षेत्र में हुई;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण है; और

(घ) खाद्यान्नों की खेती के लिए कृषि क्षेत्र में वृद्धि करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) देश में वर्ष 1991-92 तथा 1992-93 के दौरान खाद्यान्नों, तिलहनों तथा अन्य प्रमुख नकदी फसलों के कुल क्षेत्र तथा उत्पादन का विवरण नीचे दिया गया है :

(क्षेत्र '000 हैक्टेयर में)
(उत्पादन '000 मीटरी टन में)

फसल	1992-93 (अनुमानित)		1991-92	
	क्षेत्र	उत्पादन	क्षेत्र	उत्पादन
खाद्यान्न	124653	180293	12160	167064
तिलहन	25880	21198	25428	18277
कपास*	7438	11955	7695	9836
पटसन और मेस्ता** . . .	993	7621	1107	10182
गन्ना	3650	239020	3786	249256

*उत्पादन 170 किलोग्राम प्रत्येक की '000 गांठों में ।
**उत्पादन 180 किलोग्राम प्रत्येक की '000 गांठों में ।

(ख) चालू रबी मौसम 1992-93 के दौरान खाद्यान्न तथा तिलहनों की खेती का रकबा पिछले वर्ष अर्थात् 1991-92 की तुलना में अधिक रहा ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(घ) चूंकि अधिकांश फसलों का रकबा बढ़ाने की संभावना बहुत कम है, इसलिये सरकार की यह नीति है कि प्रति हैक्टेयर उत्पादकता में सुधार करके अनाज के उत्पादन को बढ़ाया जाये ।

Allocation of Funds for Modern Implements to Farmers

1292. SHRI RAMJI LAL : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government have made any proposal to provide Modern Implements to farmers;

(b) if so, the amount allocated under this Scheme;

(c) the amount provided to Haryana out of it during the Eighth Five Year Plan;

(d) whether these implements are tested before sale/allotment of farmers; and

(e) if so, the details of Government testing Centre for such implements in Haryana ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : (a) to (e) The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

Thrasher Accidents

1293. SHRI RAMJI LAL : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that young farmers usually become physically handicapped in the accidents caused by Thrasher;

(b) if so, the details of relief being provided to victims of such accidents;

(c) whether Government have started any insurance policy for this purpose in Haryana; and

(d) if so, the details thereof ?